NIESBUD LIBRARY

केंद्र सरकार की मुद्रा लोन योजना से खासकर युवाओं के लिए अपना कारोबार शुरू करना आसान हो गया है...

प्रधानमंत्री mudra योजना

मुद्रा लोन से करें सपने साकार

दोस्तो, आपमें से कई लोग कॉलेज की पढ़ाई के बाद अपना कोई कारोबार शुरू करना चाहते हैं, लेकिन पूंजी के अभाव में हिचकते हैं। लेकिन अब ऐसे लोगों को रुकने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने पहल करते हुए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू की है, जिससे खासकर युवाओं के लिए अपना कारोबार शुरू करना आसान हो गया है। इस बार आपको इस योजना के बारे में विस्तार से बताते हैं :

क्या है मुद्रा लोन योजना

केंद्र सरकार ने छोटे उद्यमों और कारोबारियों को कर्ज देने के लिए मुद्रा (माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट ऐंड रीफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड) की स्थापना की है। मुद्रा तमाम बैंकों, एनबीएफसी और एमएफआई के माध्यम से छोटे कारोबारियों को कर्ज मुहैया कराता है। यह योजना अप्रैल, 2015 से लागू की गई है।

मुद्रा योजना के तहत लोन तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं :

शिशु : 50,000 रुपये तक के लोन के लिए

किशोर : 50,000 रुपये से अधिक तथा 5 लाख रुपये तक के लोन के लिए

तरुण : 5 लाख से 10 लाख रुपये तक के लोन के लिए

पूंजी का आसान स्रोत

- मुद्रा योजना के तहत 50 हजार रुपये से 10 लाख रुपये तक का लोन मिलता है।
- यह लोन किसी भी बैंक, सहकारी समिति या ग्रामीण बैंक से लिया जा सकता है।
- महिलाओं को एक उप-योजना का लाभ देते हुए ब्याज दर में रियायत दी जाती है।
- महत्वपूर्ण बात यह है कि यह लोन बिना किसी जमानत के दिया जाता है।
- लोन की राशि कारोबार की जरूरतों के आधार पर तय की जाती है।
- ब्याज दरें तय करने का अधिकार बैंकों को है, फिलहाल यह करीब 12 फीसदी है।

किसे मिल सकता है लोन

भारत का कोई भी नागरिक, जिसकी लोन आवश्यकता 10 लाख से कम हो, मुद्रा योजना के अंतर्गत लोन हासिल कर सकता है। सभी प्रकार की मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग तथा सर्विस सेक्टर की गतिविधियों के लिए मुद्रा लोन लिया जा सकता है। इनमें लाखों प्रोप्राइटरशिप/ पार्टनरशिप फर्में शामिल हैं।

युवाओं के लिए

मान लीजिए किसी ने हाल ही ग्रेजुएशन किया है और अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहता है या कोई फूड प्रोसेसिंग का डिप्लोमा करके निकला है और अपनी प्रोसेसिंग यूनिट लगाना चाहता है, तो वह मुद्रा योजना की सहायता ले सकता है। इसी तरह, यदि किसी ने फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किया है और अपनी बुटीक खोलना चाहता है तो वह भी मुद्रा योजना के तहत लोन ले सकता है। ऐसी तमाम कारोबारी योजनाओं के लिए इस योजना का लाभ मिलता है।

मुद्रा कार्ड का लाभ

इस योजना के तहत लोन लेने वाले लोगों को एक मुद्रा कार्ड भी दिया जाता है। मुद्रा कार्ड एक इनोवेटिव लोन प्रोडक्ट है, जिसमें कर्जदार बिना किसी झंझट के और लचीले तरीके से उधार ले सकता है। इस कार्ड द्वारा सीसी/ओडी के रूप में कार्यशील पूंजी जुटाने की सुविधा दी जाती है। यह एक तरह का रुपे डेबिट कार्ड होता है, इसलिए यह एटीएम से या किसी बिजनेस करेस्पॉन्डेंट से नकद राशि निकालने या पीओएस का इस्तेमाल करके खरीद करने में भी इस्तेमाल हो सकता है।

दिनेश अग्रहरि